Paper - IV

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - IV

Time : 3 Hours **(Pages 09)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य **20 अंक**

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **समझकर लिखिए।** **1**

इन दो धर्मों के लोगों का उल्लेख परिच्छेद में हुआ है ।

(1) ..... (2) .....

ii) **चौखट पूर्ण कीजिए।** **1**

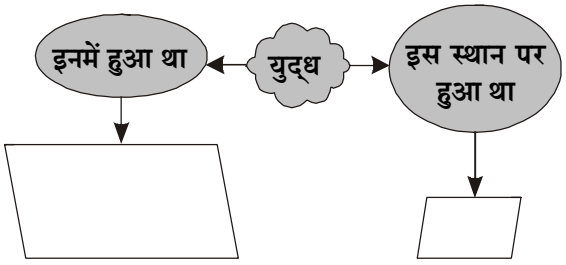

हिंदुओं के साथ ही बौद्धों में भी पलाश का वृक्ष बहुत पवित्र माना जाता है । अंग्रेजी कवि 'एडविन आर्नल्ड' ने अपनी पुस्तक 'द लाइफ ऑफ एशिया' में लिखा है कि 'भगवान गौतम बुद्ध की माँ राजमाता मायादेवी के राजमहल के परिसर में पलाश का एक सुंदर वृक्ष था । राजमाता को इस वृक्ष से बड़ा प्रेम था। वह प्राय: इस वृक्ष के नीचे आकर बैठती थीं और विश्राम करती थीं।'

ये वृक्ष बंगाल में बहुत पाए जाते हैं। नवाब सिराजुद्दौला और क्लाइव के मध्य जिस प्लासी नामक स्थान पर युद्ध हुआ था, वहाँ कभी पलाश का जंगल था। यह स्थान कोलकाता के उत्तर में लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर है। भारत के प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के लगभग सभी ग्रंथों में पलाश का उल्लेख देखने को मिल जाता है। इसके संबंध में लोकसाहित्य की भी कमी नहीं है । ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में पलाश के संबंध में अनेक किंवदंतिया प्रचलित हैं । पलाश लेग्यूमिनोसी परिवार का वृक्ष है । पहले इसका वैज्ञानिक नाम ब्यूटि या फ्रांडोसा रखा गया। 'फ्रांडोसा' का अर्थ होता है पत्तों से ढँका हुआ। पतझड़ के बाद पलाश वृक्ष पर जब नए पत्ते आते हैं तो यह पूरी तरह पत्तों से ढँक जाता है। संभवत: इसी लिए इसे यह वैज्ञानिक नाम दिया गया था।

2) i) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) ब्यूटि (2) एडविन आर्नल्ड

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) इस परिवार का वृक्ष है पलाश -

(2) पलाश का वैज्ञानिक नाम -

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) ढंका (2) बौध्द

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) अपवित्र (2) घृणा

4) **'वृक्ष प्रकृति द्वारा दिया गया बहुमूल्य उपहार है।' इस कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) परिच्छेद में प्रयुक्त प्रसंग का स्थान -

(2) इसलिए फरियादी दरबार में आया था -

ii) **वर्तुल में सही उत्तर लिखिए।** **1**

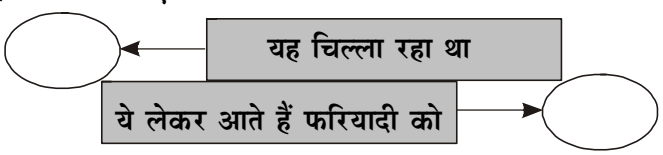

दूसरा दृश्य

(राजा, मंत्री और नौकर लोग यथास्थान बैठे हैं ।
परदे के पीछे से 'दुहाई है' का शब्द होता है ।)

राजा : कौन चिल्लाता है, उसे बुलाओ तो । (दो नौकर एक फरियादी को लाते हैं ।)
फरियादी : दुहाई, महाराज, दुहाई!
राजा : बोलो, क्या हुआ ?
फरियादी : महाराज, कल्लू बनिए की दीवार गिर पड़ी, सो मेरी बकरी उसके नीचे दब गई । न्याय हो।
राजा : कल्लू को पकड़कर लाओ ! (नौकर लोग दौड़कर बाहर से बनिए को पकड़ लाते हैं ।)
राजा : क्यों रे बनिए, इसकी बकरी दबकर मर गई?
कल्लू बनिया : महाराज, मेरा कुछ दोष नहीं । कारीगर ने ऐसी दीवार बनाई कि गिर पड़ी ।
राजा : अच्छा कल्लू को छोड़ दो, कारीगर को पकड़ लाओ ।
(कल्लू जाता है । नौकर कारीगर को पकड़ कर लाते हैं ।)
राजा : क्यों रे कारीगर, इसकी बकरी कैसे मर गई?
कारीगर : महाराज, चूनेवाले ने चूना ऐसा खराब बनाया कि दीवार गिर पड़ी ।
राजा : अच्छा, उस चूनेवाले को बुलाओ । (कारीगर निकाला जाता है । चूनेवाले को पकड़कर लाया जाता है ।)
राजा : क्यों रे चूनेवाले, इसकी बकरी कैसे मर गई ?
चूनेवाला : महाराज, भिश्ती ने चूने में पानी ज्यादा डाल दिया, इसी से चूना कमजोर हो गया ।

2) i) **चौखट पूर्ण कीजिए।** **1**

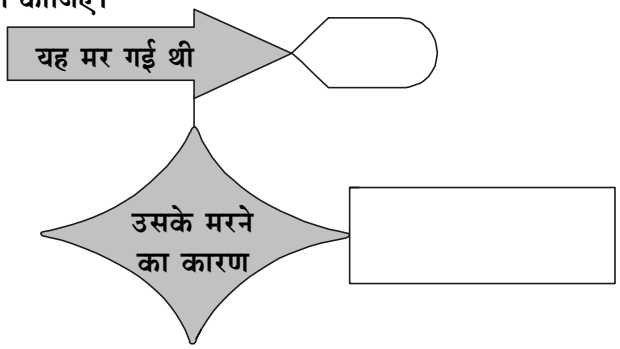

ii) **समझकर लिखिए।** **1**
दुहाई से आप समझते हैं -

3) i) **मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए।** **1**
(1) गयी (2) फरीयादी

ii) **लिंग बदलिए।** **1**
(1) महाराज (2) नौकर

4) 'एक आदर्श शासक' विषय पर अपने विचार लिखिए। 2

प्र.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (4)

1) उचित विकल्प चुनकर लिखिए । 1

i) **सबसे सरल एवं सशक्त साधन -**.....

(क) समाचारपत्र है।

(ख) विज्ञापन है।

(ग) दूरदर्शन के न्यूज चैनल हैं।

ii) **आज दूरदर्शन पर समाचार देनेवाले -**.....

(क) सौ चैनल आ चुके हैं

(ख) दो चैनल आ चुके हैं

(ग) अनेक चैनल आ चुके हैं

2) उत्तर लिखिए। 1

i) **न्यूज चैनलों का कार्य**

वर्तमान युग में समाचारों को आम जनता तक पहुँचाने के सबसे सरल एवं सशक्त साधन दूरदर्शन के न्यूज चैनल हैं। ये विश्व के किसी भी कोने में घटित घटना की कुछ ही क्षणों में न केवल सूचना देते हैं, वरन् दृश्य भी प्रस्तुत कर देते हैं, पर आज दूरदर्शन पर समाचार देनेवाले अनेक चैनल आ गए हैं, जो चौबीसों घंटे चलते रहते हैं। वे बार-बार एक ही घटना को दोहराते हैं। यहाँ तक कि कुछ चैनल तो घटनाओं में अपनी ओर से नमक-मिर्च लगाने में भी पीछे नहीं रहते, जिससे कई बार जहाँ एक ओर दर्शक नीरसता का अनुभव करते हैं, वहीं गुमराह भी होते हैं। अत: इन चैनलों का यह उत्तरदायित्व है कि ये घटना के सच्चे स्वरूप को ही सामने लाएँ।

3) न्यूज चैनलों का दायित्व इस विषय पर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 2 - पद्य

16 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (8)

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए। 1**

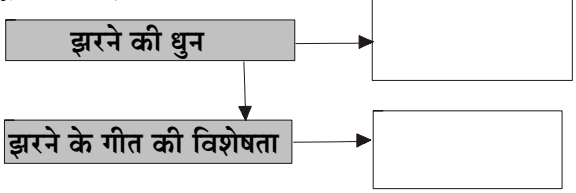

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

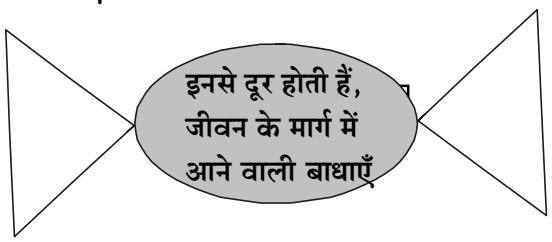

निर्झर में गति है, यौवन है, वह आगे बढ़ता जाता है।
धुन सिर्फ एक है चलने की, अपनी मस्ती में गाता है।
बाधा के रोड़ों से लड़ता, वन के पेड़ों से टकराता।
बढ़ता चट्टानों पर चढ़ता, चलता यौवन से मदमाता।

2) ये चार चीज़ें झरने में हैं - **2**

(i) ..... (ii) .....
(iii) ..... (iv) .....

3) i) **निम्नलिखित शब्दों को मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) रोडो (2) योवन

ii) **निम्न शब्दों के तुकान्त शब्द लिखिए ।** **1**

(1) टकराता (2) लड़ता

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

''निर्झर में गति है, यौवन है, वह आगे बढ़ता जाता है।
धुन सिर्फ एक है चलने की, अपनी मस्ती में गाता है।''

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) यह है देश की माँग -
(2) यह शत्रु को देना है -

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1) **पद्यांश में आया एक फूल** → ☐

(2) **शत्रु को जवाब देने का तात्पर्य** → ☐

देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो ! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को।
शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) 'धरती माँ तुमसे कुरबानी माँग रही है।' यह अर्थ कविता की इस पंक्ति में है-

(2) 'देश की मशाल सँभालना' इसका अर्थ है-

ii) पद्यांश पर आधारित दो प्रश्न तैयार कीजिए। **1**

3) i) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए ।** **1**

(1) संभालकर (2) मसाल

ii) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) शत्रु × (2) युद्ध ×

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

''देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो ! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को।
शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !''

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) परिच्छेद में प्रयुक्त महिलाओं को दुर्बल बताने वाली पंक्ति लिखिए।

(2) इस पद पर टेसी ने कार्य किया।

वैज्ञानिक शोध, खेल, चिकित्सा–विज्ञान, शिक्षण, अंतरिक्ष– अनुसंधान, रक्षा, पर्फार्मिंग आर्ट्स, लेखन आदि मानव– गतिविधियों का शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा होगा, जिसमें पुनरुत्थानशील भारतीय महिलाओं ने यश प्राप्त न किया हो। अध्यवसाय और अतुलित बुद्धिमत्ता की माँग करने वाला कोई क्षेत्र ऐसा नहीं मिलेगा, जो ऐसी सामर्थ्यवान आधुनिक भारतीय महिलाओं की अदम्य उपस्थिति से रहित हो, जिन्होंने महिलाओं को कमजोर बताने वाले इस कथन को अर्थहीन और अनुपयुक्त सिद्ध कर दिया कि– 'अबला–जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आँचल में है दूध और आँखों में पानी।' हर क्षेत्र में उनका योगदान इतना महान है कि कोई भी व्यक्ति विस्मय के साथ उनकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सकता। ऐसी योग्य महिलाओं में भी सुश्री टेसी थॉमस अलग खड़ी दिखाई देती हैं, क्योंकि उन्होंने पुरुषों के वर्चस्व वाले मिसाइलजगत में अद्वितीय धैर्य और साहस के साथ उत्कृष्टता प्राप्त की है। एक नौसेना अधिकारी श्री सरोज कुमार पटेल की पत्नी सुश्री थॉमस भारत द्वारा प्राप्त ऐतिहासिक वैज्ञानिक उपलब्धि–19 अप्रैल को सफलतापूर्वक संपन्न अग्नि V मिसाइल लाँच की प्रोजेक्ट डायरेक्टर (मिशन) थीं।

2) 'आज की नारी जीवन के हरेक क्षेत्र को नया आयाम देने का भरसक प्रयास कर रही है।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½

आलोचना

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** ½

आकाश ने चित्र <u>बनाया</u> ।

2) निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए । **1**

तुम पश्चिम के ओर जाते है ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½

लेना

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½

बहू उस पर हाथ न लगा सकी

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **1**

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्‌वितीय प्रेरणार्थक**
बैठना	----	----

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
नीचे -

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**
चारों तरफ से प्रश्नों की बौछार होने लगी ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**
वाणी का बैर टिकता है (सामान्य भूतकाल)
कार्यकर्ताओं की वाणी दूषित हो गई है (सामान्य भविष्यकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **1**
खून सवार होना -

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**
(चंपत होना, जान में जान आना, कमर कसना)
भारतीय सैनिक शत्रुओं से सामना करने के लिए तैयार हो गए ।

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है । **(15)**

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **5**

सूरज पुस्तक भंडार, शास्त्री रोड, आगरा हिंदी की कुछ पुस्तकें तथा संदर्भ ग्रंथ 50 % मूल्य में उपलब्ध

i) गबन, गोदान : प्रेमचंद
ii) मधुशाला : हरिवंशराय बच्चन
iii) हिंदी व्याकरण : भोलानाथ तिवारी..... आदि

उपर्युक्त विज्ञापन पढ़कर पूना से सुधाकर / सुधा पांडे विविध पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

जवाहर विद्‌यालय, गोरेगाँव को लिपिक की आवश्यकता है । अत: मुंबई से सागर / सीता शर्मा विद्‌यालय के प्रधानाध्यापक के नाम संबंधित पद के लिए आवेदन पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । 5

स्त्री द्वारा अन्न की चोरी - चोरी करते समय पकड़ी जाना - लोगों द्वारा उस पर पत्थर फेंकना - महात्मा का वहाँ से गुजरना - परिस्थिति को समझना - महात्मा का न्याय - पहला पत्थर वही मारे जिसने जीवन में कभी कोई पाप नहीं किया है - सभी का चले जाना ।

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य 5

में लिखा जा सके ।

समय की पाबंदी का उद्देश्य है अपने कार्य को मन लगाकर ठीक समय पर, निश्चित अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण करना । जो लोग समय के पाबंद होते हैं उन्हें अपने कार्य करने के लिए किसी की प्रेरणा या किसी के अनुरोध की आवश्यकता नहीं होती बल्कि उनकी आत्मा ही उन्हें अपने प्रत्येक कार्य में प्रवृत्त करती है । समय की पाबंदी करने वाले उत्साही और फुर्तीले होते हैं, अपने कार्यों को योजनाबद्ध रीति से करते हैं और अपने काम के समय का पूरा - पूरा उपयोग करने का ध्यान रखते हैं । ऐसे मनुष्य अमोद - प्रमोद के लिए, अपने मित्रों और सगे - संबंधियों से मिलने - जुलने के लिए तथा विश्राम और शयन के लिए उचित अवकाश भी निकाल लेते हैं परंतु इसके विपरीत समय की पाबंदी की उपेक्षा करने वाले लोग तनाव में रहते हैं, उनका समय इधर - उधर आलस्य और प्रमाद करने में व्यर्थ ही व्यतीत हो जाता है और वे सदा काम के बोझ की शिकायत करते रहते हैं ।

प्र.6. प्रसंग लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

उस दिन मैं मेरे मित्रों के साथ घुमने गया था । अचानक एक वृद्ध व्यक्ति चक्कर खाकर गिर पड़ा । -----

2) विज्ञापन लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए ।

आयोजित व्याख्यानमाला -

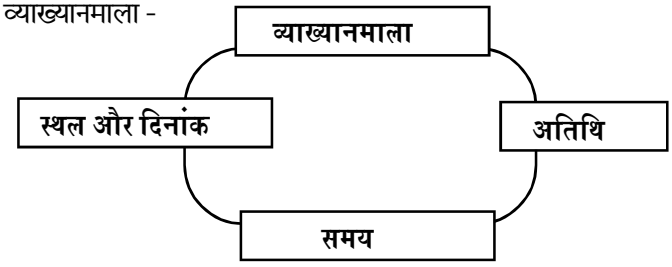

3) स्वमत लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

दूरदर्शन पर पुलिस विभाग तथा राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार के बारे में एक खबर मैंने सुनी । उसे सुनने के बाद मेरे मन में विचार आए....

Best Of Luck